Hindi Murli Quiz 02-08-2015

Q.1) **Q. आज की मुरली में बाप-दादा ने बच्चों को भिन्न-भिन्न सुन्दर टाइटल्स दिए हैं, उन सबका सही-सही चयन करें-----**

- **A.** ☑ संगम युगी बच्चे
- **B.** ☑ सर्व श्रेष्ठ हीरे-तुल्य युग के वासी
- **C.** ☑ सर्व श्रेष्ठ बाप-दादा के बच्चे
- **D.** ☑ ईश्वरीय सन्तान
- **E.** ☑ ब्राहमण कुल की श्रेष्ठ आत्मायें
- **F.** ☑ स्वर्ग-वासी

Q.2) **Q. “बाप-दादा ने बच्चों को अमृतबेले से लेकर सारे दिन के लिए भिन्न-भिन्न टाइटल्स की स्थिति रूपी ड्रेस और भिन्न-भिन्न गुणों के श्रृंगार के सेट तथा बैठने के स्थान व आसन कितने श्रेष्ठ दिये हैं। जो जैसा समय वैसी ड्रेस और वैसा ही श्रृंगार कर सकते हैं और वैसे ही सजे-सजाये सीट पर सदा सेट रह सकते हैं । लेकिन रमणीक रंगत यह देखी कि इतनी सुन्दर ड्रेसेज और सजावट होते हुए भी कोई-कोई बच्चे पुरानी ड्रेस, मिट्टी वाली मैली ड्रेस पहन लेते हैं।”**

- **A.** ◉ True
- **B.** ○ False

Q.3) **Q. समयानुसार एवं कर्तव्य अनुसार टाइटिल की स्थिति में स्थित होना अर्थात् उपयुक्त ड्रेसेज को धारण करना। मुरली में बापदादा द्वारा दी गयी सभी श्रेष्ठ सुन्दर ड्रेसेज चयन करो ---**

- **A.** ☑ विश्व-कल्याणकारी की ड्रेस
- **B.** ☑ मास्टर सर्व शक्तिमान की ड्रेस
- **C.** ☑ स्वदर्शन चक्रधारी की ड्रेस
- **D.** ☐ देह के सम्बन्ध के लगाव की बदबू वाली ड्रेस
- **E.** ☐ गन्दे चमड़ी की ड्रेस

Explanation: देह के सम्बन्ध के लगाव की बदबू वाली ड्रेस और गन्दे चमड़ी की ड्रेस --यह श्रेष्ठ सुन्दर ड्रेसेज नही हैं

Q.4) **<u>Q. बापदादा ने कहा- बच्चों, </u>ड्रेसेज के साथ-साथ भिन्न-भिन्न गुणों के श्रृंगार भी करो। ऐसे अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेट धारण करो। आपके पास इतने श्रेष्ठ श्रृंगार के सेट हैं, वह पहनते क्यों नहीं हो? मुरली में दिए गए भिन्न-भिन्न श्रृंगारों का चयन करें ---**

- **A.** ☑ मस्तक में यह स्मृति धारण करो कि मैं आनन्द स्वरूप हूँ - यह मस्तक की चिन्दी हो गई।
- **B.** ☑ मुख द्वारा अर्थात् गले में भी आनन्द दिलाने की बातें हों - यह गले की माला हो गई।
- **C.** ☑ हाथों द्वारा अर्थात् कर्म में आनन्द स्वरूप की स्थिति हो - ये हाथों के कंगन हो गए।
- **D.** ☑ कानों द्वारा भी आनन्द स्वरूप बनने की बातें सुनते रहना, यह कानों का श्रृंगार है।
- **E.** ☑ कदम- कदम आनन्द स्वरूप बनने और बनाने को ही उठे- यह पाँव का श्रृंगार है।

Q.5) **Q. बापदादा ने ड्रेस और श्रृंगार की कॉम्पीटीशन देखी कि कौन-से बच्चे सारा दिन सजे-सजाये रहते हैं और कौन-से बच्चे ड्रेस बदलने और पहनने उतारने में ही लग जाते हैं। अभी-अभी एक ड्रेस धारण करेंगे और अभी-अभी वह ड्रेस उतारकर घटिया ड्रेस पहन लेंगे, ज्यादा समय श्रेष्ठ सुन्दर ड्रेस पहन ही नहीं सकते। मुरली में बापदादा ने कौन-कौन सी बदबू वाली घटिया वा गन्दी ड्रेस बच्चों को पहने हुए देखी, कृपया चयन करें –**

- A. ☑ देह के सम्बन्धों के लगाव की बदबू वाली ड्रेस।
- B. ☑ कोई देह के पदार्थो के लगाव की बदबू वाली ड्रेस पहने हुए थे।
- C. ☑ कोई गन्दे चमड़े की ड्रेस अर्थात् क्रिमिनल आई की, चमड़ी को देखने की गन्दी ड्रेस भी पहने हुए थे।
- D. ☑ किसी की ड्रेस पर गन्दे दाग भी लगे हुए थे। गन्दे दाग अर्थात् औरों के अवगुण अर्थात् दाग को अपने में धारण करना।
- E. ☑ किसी की ड्रेस तो बहुत खराब खून के दागों की थी अर्थात बार-बार विकर्म करना, आत्मा की श्रेष्ठ स्थिति का घात करना।

Q.6) **Q."श्रेष्ठ आत्माओं की ड्रेस भी श्रेष्ठ चाहिए। अमृतबेले से ही श्रेष्ठ टाइटल्स की ड्रेस पहनेंगे, गुणों का श्रृंगार धारण करेंगे तो जैसे सतयुग में विश्व महाराजा व विश्व महारानी की राजाई ड्रेस के पीछे दास-दासियाँ ड्रेस को उठाते हैं, वैसे अब मायाजीत संगमयुगी स्वराज्य अधिकारियों के टाइटल्स रूपी ड्रेस में स्थित होने के समय ये 5 तत्व, ये 5 विकार आपकी ड्रेस को पीछे उठायेंगे अर्थात् अधीन होकर चलेंगे और आप बाप के साथ दिलतख्तनशीन रहेंगे। तख्त से उतरेंगे तो फाँसी का तख्ता आ जायेगा। कभी लोभ का, कभी मोह का। "**

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.7) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	दृढ़ संकल्प रुपी बेल्ट से टाइटल्स की स्थिति की ड्रेस को टाइट करो।	तो सदा सेफ रहेंगे और यह 5 तत्व और 5 विकार सदा अधीन रहेंगे।
B	ब्रह्मा-बाप व बापदादा ने लव मैरेज की है,	तो दहेज है यह वैराइटी श्रृंगार के सेट और सुन्दर ड्रेस।
C	ड्रेस और श्रृंगार के सेट से सज-धज कर सारा दिन बाप के साथ रहना।	ऐसी सजी हुई सजनियों को ही साथ ले जायेंगे। औरों को नहीं।
D	जैसे शरीर की स्मृति स्वत: ही रहती है,	ऐसे बाप की याद और सेवा भी स्वत: याद रहे।
E	बाप का बेहद है आपका भी बेहद।	सब हमारे हैं, इसको कहते हैं बेहद।

Q.8) **Q. " बाप-दादा सभी बच्चों को सदा विशेष --------देते ही रहते हैं क्योंकि जो सेवा में निमित्त बने हुए हैं तो विशेष सेवाधारियों को विशेष --------- सदा प्राप्त होता ही है।"**

[निम्नलिखित विकल्पों में एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें]

- A. ◉ सहयोग
- B. ○ स्नेह
- C. ○ रहम
- D. ○ उत्साह
- E. ○ प्राइज

Q.9) **Q. वरदान पर आधारित यह वाक्य पुंज सही है अथवा गलत, उत्तर दें----**
"रोज मन में स्व के प्रति या औरों के प्रति उमंग-उत्साह का संकल्प लाओ। स्वयं भी उसी संकल्प का स्वरूप बनो और दूसरों की सेवा में भी लगाओ तो अपनी जीवन भी सदा के लिए उत्साह वाली हो जायेगी और दूसरों को भी उत्साह दिलाने वाले बन सकेंगे। रोज मन के मनोरंजन का प्रोग्राम बनाओ, जो सुनते हो उसका स्वरूप बनो तो शक्तिशाली बन जायेंगे।"

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.10) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
"श्रेष्ठ ------ का ज्ञान ही श्रेष्ठ तकदीर की लकीर खींचने की कलम है।"

- कर्म
- कार्म
- करम
- KARM
- KRM
- KARAM